हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शुक्रवार 17 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

केरेगांव में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

मण्डला। नैनपुर अंतर्गत केरेगांव के खैरमाई मंदिर के पास श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कथा वाचक योगेश शुक्ला वृंदावन वाले द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के विभिन्न चरित्रों की संगीतमयी कथा सुनाई जा रही है। पं. योगेश शुक्ला ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की कथा सुनाई। जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की सजीव झांकी सजाई गई थी, जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ कथा स्थल पर नंद के आनंद भयो, जय यशोदा लाल की, जयकारों से पण्डाल गूंज उठा। कथावाचक ने भगवान के जन्म से जुड़े धार्मिक गीत सुनाए जिसमें सभी श्रद्धालु जमकर झूमे। यह आयोजन 10 से 18 मई तक होगा, कल पूजन, हवन भण्डारा के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

ग्राम मानादेही में नदी किनारें 230 डिब्बें में रखे लगभग डेढ़ टन महुआ लहान किये नष्ट

मण्डला। दिनांक 15 मई 2024 को थाना महाराजपुर पुलिस को भ्रमण के दौरान सूचना मिली की ग्राम मानादेही में नर्मदा नदी के किनारे भारी मात्रा में महुआ लहान अवैध शराब बनाने के उद्देश्य से रखा गया हैं। सूचना पर थाना महाराजपुर पुलिस द्वारा ग्राम मानादेही हेतु टीम रवाना किया गया। जिसमें ग्राम मानादेही में नदी किनारे भारी मात्रा में प्लास्टिक के डिब्बे मिले जिसमें महुआ रखा गया था। पुलिस टीम द्वारा नदी किनारे रखे लगभग 230 प्लास्टिक के केन में रखे लगभग डेढ़ टन महुआ लहान नष्ट किया गया। उक्त कार्यवाही थाना महाराजपुर प्रभारी निरीक्षक ममता परस्ते के नेतृत्व में टीम उप निरीक्षक योगेश चौहान, उप निरीक्षक कुंवर बिसेन, आरक्षक शिवा नाविक, प्रियांश पाठक व अन्य पुलिस शामिल रहें।

श्री शीतला सतबहनी मंदिर समिति की नई कार्यकारिणी का पुर्नगठन

मण्डला। गत दिवस हवेली क्षेत्र की सिद्ध देवी शक्ति पीठ माँ शीतला मंदिर परिसर में मंदिर व्यवस्था समिति सार्वजनिक शीतला सतबहनी मंदिर समिति के कार्यकाल समाप्त हो जाने कारण नई कार्य कारिणी का पुर्नगठन किया गया है। बताया गया कि पूर्व परम्परा अनुसार आम सूचना के माध्यम से आयोजित विशाल आमसभा में सभी की उपस्थिति में सर्वसम्मति से उक्त समिति का पुर्नगठन विगत दिवस 12 मई को किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से सार्वजनिक श्री शीतला सतबहिनी मंदिर समिति बम्हनी बंजर की कार्यकारिणी मनोनीत की गई।

तेज हवा, तूफान के साथ गिरे ओले, एक घंटे हुई जमकर बारिश

क्या सावन में धोखा देगी बारिश

*** ऋतु परिवर्तन का खतरा नजर आ रहा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

गुरूवार को दोपहर बाद अचानक मौसम में परिवर्तन हुआ, तेज हवाएं चलना शुरू हुई और धीरे धीरे आसमन में काले मेघ छा गए। करीब 04 बजे काले मेघ जमकर बरस पड़े। शहर सहित जिले के अन्य क्षेत्रों में भी गरज चमक के साथ तेज हवाएं चलना शुरू हुई। तेज अंधड के चलते घरों व दुकानों में लगे टीन शेड, बोर्ड, फ्लेक्स, बैनर पर असर पड़ा। इसके साथ ही चल रही तेज हवाओं के कारण कई स्थानों में वृक्ष गिरने की खबर भी मिली। नेशनल हाइवे 30 स्थित ग्राम कालपी में जमकर ओले गिरे।

बताया गया कि विगत दो माह से जिले का तापमान 40 डिग्री के पास चल रहा है। अधिकतम तापमान अधिक होने के कारण गर्मी ओर उमस से लोग हलाकान भी है। गुरूवार को जहां जिले का अधिकतम 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। वही बुधवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान बढ़कर 23.2 डिग्री रहा। मंगलवार को अधिकतम तापमान 39.8 डिग्री, न्यूनतम 22.2 डिग्री, सोमवार को अधिकतम तापमान 38.4 और न्यूनतम 19.4 डिग्री सेल्सियस रहा। इससे पहले अधिकतम तापमान 42 डिग्री पर कर चुका है। मौसम का मिजाज बदलने के बाद भी अधिकतम तापमान में ज्यादा गिरावट देखने नहीं मिल रही है, जिसके कारण उमस भरी बैचेनी से लोगों को राहत नहीं है। तापमान के क्रम में बढ़ोत्तरी व गिरावट का असर गर्मी पर नहीं पड़ रहा है। लोगो को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ रहा है।

हुई झमाझम बारिश

दोपहर के बाद जिले भर में बूंदा बांदी के साथ करीब एक घंटे से ऊपर तेज बारिश शुरू हुई। करीब आधे घंटे तक तेज हवाओं का दौर चलता रहा। तेज हवा के थमने के बाद तेज बारिश प्रारंभ हो गई जो लगभग एक घंटे तक बरसता रहा। जिससे लोगो ने गर्मी में राहत की सांस ली। सुबह से तेज धूप में परेशान लोगो को बारिश के दौरान कुछ हद तक निजात मिली लेकिन देर शाम तक आसमान में बादल छाए रहे और बारिश की फुहार चलती रही।

थोड़ी सी बारिश में मार्ग में भरा पानी

दिन में जहां तेज धूप खिली रही। वही दोपहर बाद अचानक आसमान में बादल छा गए। बादलों की गर्जना के सथ तेज हवायें व धूल भरी आंधी चलने लगी। शाम लगभग4 बजे बूंदा बांदी प्रारंभ हुई जो कुछ देर बाद तेज बारिश में बदल गई। लगभग एक घंटे तक तेज बारिश होती रही। जिससे सड़के पानी से सराबोर हो गई। जगह जगह मार्ग में पानी भर गया। ऐसे मौसम को देखकर लग रहा था कि बारिश का मौसम पहले ही आ गया हो।

बम्हनी बंजर में बिजली लाइन पर गिरा पेड़

बम्हनीबंजर नगर में गुरुवार की शाम अचानक बदले मौसम ने लोगों को अंधेरे में रहने को मजबूर कर दिया। शाम करीब 6 बजे नगर के वार्ड नंबर 14 गोंडी मोहल्ला में हवा और बारिश दौरान समनापुर की ओर से आई हुई &5 केवी बिजली लाइन के ऊपर पेड़ गिर गया। जिसकी सूचना लोगों ने विद्युत विभाग को दी। जिसके बाद मौके पर विद्युत विभाग पहुंचा और पेड़ की टहनियों की कटाई की। लाइन को दुरुस्त करने में काफी समय लगा। हवा तूफान से आसपास गांव की बिजली काफी देर तक बंद रही।

धूमधाम से मनाया गया माँ बगलामुखी का जन्मोत्सव

रिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

गुरूवार को माँ बगलामुखी जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर जगह-जगह देवी मंदिरों में पूजन, हवन, भण्डारे कराए गए। इसी कड़ी में आमानाला स्थित मां बगलामुखी जन्मोत्सव पर पूजन, हवन एवं विशाल भण्डारा का आयोजन किया गया। यहां पं ओम प्रकाश मिश्रा ने बताया कि हर मां बगला को पीतांबरा देवी के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि इनके द्वारा पीले वस्त्र धारण किए जाते हैं और पीले रंग के फल और पकवान ही इन्हें प्रिय हैं। पं. ओम प्रकाश मिश्रा ने बताया कि मां भगवती का पूजन अर्चन कर उन्हें पीले वस्त्र अर्पित किए गए, भोग प्रसादी के बाद आरती और इसके बाद भण्डारा प्रसाद वितरण किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद गृहण किया।

यहां अनुष्ठान करा रहे पं संजू ज्योतिषी ने बताया कि हर साल वैशाख मास में पड़ने वाली शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर बगलामुखी जयंती मनाई जाती है। माँ बगलामुखी की पूजा दस महाविद्या के रूप में भी की जाती है। मां बगलामुखी की पूजा खासतौर पर कोर्ट-कचहरी और शत्रुओं से छुटकारा पाने के लिए की जाती है। देवी को बगलामुखी, पीताम्बरा, बगला, वल्गामुखी, वगलामुखी आदि नामों से भी जाना जाता है। मां बगलामुखी की पूजा करने से भक्त भयंकर रोगों पर विजय प्राप्त करता है। दरिद्रता नाश के लिये माँ बगलामुखी की उपासना की जाती हैं।

जैव विविधता पुरस्कार के आवेदन 30 जून तक आमंत्रित

मण्डला। मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा प्रदेश में जैव विविधता संरक्षण को प्रोत्साहन देने हेतु राज्य स्तरीय वार्षिक जैव विविधता पुरस्कार योजना प्रारंभ की गई है। जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे लोगों की पहचान एवं उन्हें प्रोत्साहित करने 30 जून 2024 तक आवेदन आमंत्रित किया गया है।

घोटाले को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर

रिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नगर परिषद भुआबिछिया में जो करोड़ों का घोटाला प्रकाश में आया उसको लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। एक ओर जहां नगर परिषद के मुख्य नगरपालिका अधिकारी इसके लिये सीधे-सीधे दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी को ही दोंषी मान रहे हैं तो नगर परिषद की अध्यक्ष एवं पार्षद इसे मुख्य नगरपालिका अधिकारी और कर्मचारियों की मिलीभगत बता रहे हैं। पार्षदों का कहना हैं कि बिना मुख्य नगरपालिका अधिकारी की सह या सहमति के बगैर किसी दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी की यह क्षमता ही नहीं कि वह इस तरह करोड़ों का घोटाला कर सके।

शासन से प्राप्त राशि का दैनिक वेतनभोगी के खातों में जमा होना और अधिकारी को जानकारी न होना कहीं से भी मुमकिन नहीं इस पूरे मामले में मुख्य नगरपालिका अधिकारी कर्मचारी को मोहरा बनाकर अपना उल्लू सीधा करते रहे हैं।

परिषद को नहीं दी जाती थी जानकारी

नगर परिषद भुआबिछिया के पार्षदों ने हरिभूमि को बताया कि पिछले 02 वर्षों से हम लगातार आवंटन एवं खर्च को लेकर जानकारी मांगते रहे लेकिन मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा यही कहा जाता रहा कि आज दे देंगे, कल दे देंगे और जानकारी नहीं दी गई। शासन से किस मद में और किस कार्य के लिये कितनी राशि आवंटित हुई वह राशि किस खाते में जमा है जो निर्माण कार्य हो रहे हैं उनमें परिषद का कितना पैसा खर्च हो रहा है परिषद के आय-व्यय की वर्तमान स्थिति क्या है इससे संबंधित कोई भी जानकारी नहीं दी गई। सिर्फ जानकारी देने के नाम पर लटकाया-भटकाया गया और इसी का परिणाम है कि अंदर ही अंदर इस तरह का घोटाला होता रहा और किसी को खबर भी नहीं लगी। अब जब मामला सार्वजनिक हुआ तो अधिकारी अपने आपको बचाने के चक्कर में कर्मचारी को दोषी बता रहे हैं। कल इसी विषय को लेकर पार्षदों ने तात्कालीन मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं वर्तमान में प्रभारी अधिकारी से मिलना चाहा तो यह कहा गया कि सभी पार्षद एक साथ नहीं मिल सकते सिर्फ अध्यक्ष एवं 02 पार्षद ही उनके चैम्बर में आकर मिल सकते हैं। इसके पूर्व पार्षदों ने अनुविभागीय दण्डाधिकारी को ज्ञापन देकर पूरे मामले में दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही किये जाने की मांग करने की बात कह रहे थे लेकिन न तो ऐसा कोई ज्ञापन सौंपा गया और न ही जांच की बात कही गई अब मुख्य नगरपालिका अधिकारी से ही मिलने की बात कही जा रही है जिस पर भी विरोधाभाष दिखाई दे रहा है आखिर दोनों बैठकर स्थिति क्यों नहीं स्पष्ट करते।

घरेलू उपभोक्ताओं को 24 घण्टे सतत विद्युत प्रदाय सुनिश्चित हो

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

विगत दिवस मण्डला जिले में मुख्य अभियन्ता (जक्षे) के. एल. वर्मा जिले के विभिन्न उपभोक्ता सम्बन्धी सुविधाओं एवं सुधार कार्य हेतु भ्रमण किया गया। जिले के विभिन्न वितरणकेन्द्रों यथा बीजाडाण्डी, नारायणगंज, मण्डला (ग्रामीण) एवं अंजनियों के साथ-साथ उपसम्भाग अंजनियाँ का दौरा किया गया, तत्पश्चात वृत्त कार्यालय मण्डला में अधीक्षण अभियन्ता, कार्यपालन अभियन्ता, सहायक अभियन्ता एवं कनिष्ठ अभियन्ताओं के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें मुख्य अभियन्ता (जक्षे) द्वारा निम्न निर्देश दिये गयेः- सम्पूर्ण जिले में घरेलू उपभोक्ताओं को 24 घण्टे सतत विद्युत प्रदाय सुनिश्चित किया जावे एवं किसी भी अवरोध की स्थिति में तत्काल सुधार कार्य किया जावे। जिले के समस्त वितरणकेन्द्रों में उपभोक्ताओं की समस्याओं के निराकरण हेतु पंजी संधारित की जावे उनके बैठने एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था की जावे। कार्यालय में आने वाले उपभोक्ताओं से मधुर भाषा एवं व्यवहार सुनिश्चित किया जावे । उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत प्रदाय किया जावे, एवं उनकी हर तरह की समस्याओं का युक्तियुक्त निराकरण किया जावे ।

कार्यालयीन निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियन्ता (जक्षे) श्री के. एल. वर्मा द्वारा कार्यालयीन का सूक्ष्म एवं सघन निरीक्षण किया गया एवं वितरणकेन्द्र प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि लाइन एवं अन्य सामग्रियों का रिकार्ड दुरूस्त रखा जाये। जो सामग्री स्टोर से प्राप्त की जाती है उसका निर्धारित पंजी में संधारण कर आवश्यकतानुसार मैदानी कार्यालयों को प्रदान किया जाये, इस हेतु वितरणकेन्द्रों में भी उसका रिकार्ड आवश्यक रूप से संधारित किया जावे । विद्युत की बकाया राशि की वसूली हेतु विभिन्न श्रेणियों के समस्त उपभोक्ताओं को फोन कॉलिंग के द्वारा भुगतान हेतु निवेदन किया जावे। तथा इस व्यवस्था को लगातार कार्य संचालित करते हुए प्रगति सम्बन्धी गोशवारा भी बनाया जावे। वरिष्ठ अधिकारियों के आकस्मिक / दैनिक निरीक्षण के दौरानउपलब्ध कराया जावे । जिले के ऐसे क्षेत्र जहाँ मानसून पूर्व फेल ट्रांसफार्मर लगे हुए हैं उनका परीक्षण कर मानसून पूर्व ऐसे ट्रांसफार्मर को उक्त स्थल में पहुंचाया जावे जिससे आगामी मानसून में माननीय उपभोक्ताओं को किसी तरह की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि उपभोक्ताओं की सुविधा को बढाने हेतु जो भी आवश्यक कदम हैं उन्हें आवश्यक रूप से उठाये जावे ।

कैंप | **सरस्वती शिशु मंदिर बिछिया में लगा 15 दिवसीय समर केम्प।**

समर कैंप से सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त

*** विभिन्न विधाओं की हो रही जानकारी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

सरस्वती शिशु मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय बिछिया में 15 दिवसीय समर कैंप का बुधवार को समापन हुआ। कार्यक्रम राजीव वर्मा (जिला सचिव) मुख्य अतिथि, जिला सह सचिव किशोरीलाल साहू अध्यक्ष , विशिष्ट अतिथि पूर्व कृषि मंडी अध्यक्ष सुनील नामदेव एवं समिति सदस्य गोपाल राजपूत, देवाषीशअग्रवाल ,अरुण मिश्रा की गरिमा में उपस्थिति कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की तैल्यचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

मुख्य अतिथि श्री वर्मा ने कहा समर कैंप सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। अपनी रूचि की कला को निखारने का अवसर मिलता है। प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं अभिभावकों एवं प्रशिक्षकों का साल श्रीफल एवं सम्मान राशि से स्वागत किया गया। समर कैंप में 93 बच्चों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। योग प्रशिक्षक दशरथ लाल गवले, संस्कृत प्रशिक्षक- नीता तिवारी, अंग्रेजी प्रशिक्षक -अनुराग नंदा, खेल प्रशिक्षक- अक्षय पटेल, मेहंदी प्रशिक्षक-प्रिया सोनी, ब्यूटीशियन प्रशिक्षक-सीमा नामदेव, वैदिक गणित प्रशिक्षक-शिव प्रकाश पटेल, गणित-प्रशिक्षक प्रकाश अग्रवाल, सिलाई कढ़ाई एवं हैंडीक्राफ्ट प्रशिक्षक- कीर्ति नामदेव, ड्राइंग शुभांगी उसके, संगीत प्रशिक्षक- अनुसुइया यादव, वादन प्रशिक्षक- धनेश्वर पुरी गोस्वामी, नृत्य प्रशिक्षक -शकुंतला सोनी, कर्सिव राइटिंग- ज्योति जघेला ने बच्चों को 15 दिन प्रशिक्षित किया। बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति एवं विभिन्न कलाओं का प्रदर्शन किया गया। स्थानीय बच्चों के साथ-साथ रायपुर, नागपुर, नगर के अन्य प्रतिष्ठित स्कूलों के छात्र छात्राओं भी समर कैंप में शामिल हुए। कैंप के दौरान विभिन्न विधाओं में व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास को दृष्टिगत रखते हुए बच्चों ने उत्साह पूर्वक विधाओं में सहभागिता निभाई। सत्र 2024 में कक्षा पांचवी आठवीं एवं दसवीं के प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया।मंच संचालन- सीमा यादव एवं आभार प्रदर्शन प्राचार्य निशा पांडे द्वारा किया गया। कार्यक्रम उपरांत सह भोज का आयोजन किया गया।

वृद्धा आश्रम रपटाघाट में विधिक जागरुकता कार्यक्रम सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एस. जोशी के निर्देशन में एवं प्रवीण कुमार सिन्हा जिला न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में वृद्धा आश्रम रपटाघाट मण्डला में विधिक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रवीण कुमार सिन्हा, प्रथम जिला न्यायाधीश सुबोध कुमार विश्वकर्मा एवं वृद्धजन की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

प्रवीण कुमार सिन्हा जिला न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि माता-पिता की देखभाल करना प्राचीनकाल से ही पुत्रों का दायित्व माना गया है। भरण पोषण अधिनियम के तहत यदि माता-पिता अपनी आय अथवा अन्य संपत्ति से स्वयं अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ हों तो वृद्ध अथवा अशक्त माता-पिता अपने पुत्र और पुत्री से भरण-पोषण प्राप्त करने के हकदार हैं। साथ ही विधिक सहायता एवं सलाह योजना एवं महिला सशक्तिकरण को परिभाषित करते हुए महिलाओं को सशक्त बनने के रास्ते सुझाए। साथ ही बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान के साथ जीने एवं समान रूप से न्याय प्राप्त करने का अधिकार है के संबंध में जानकारी दी। इसके साथ ही राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के द्वारा संचालित अन्य योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

खबर संक्षेप

नगर की सड़कों पर पशुओं का टकराव जारी, वाहन चालकों की मुसीबतें बढ़ी

गाडरवारा। जहां एक ओर नगर की यातायात व्यवस्था पूर्णरूप से भगवान भरोसे चलते हुए देखी जा रही है, वही दूसरी ओर आवार जानवरों के शहर भर में विचरण करने से भी यातायात काफी हद तक प्रभावित होते हुए देखी जा रही है, इस सच्चाई को स्थानीय अखबारो द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी कोई पहल न होना निश्चित ही चिंताजनक सच्चाई सामने आ रही है? जबकि गौर किया जावे तो नगर के लोगों द्वारा लम्बे अरसे से गुहार लगायी जाती रही है कि नपा. हाका गेंग बनाकर आवारा जानवरों को पकड़ने की व्यवस्था कर उत्पाती पशुओं को कांजी हौस में बन्द कर पशु पालकों को सबक सिखाये जाने की मांग उठाई जा रही है। मगर इसके बाद भी नपा. क्षेत्र में स्वच्छंद घूमने वाले जानवरों को नियंत्रण मे रखने के संबंध में नपा द्वारा पूर्व में अनेकों बार प्रचार कराकर पशुपालकों को अगाह भी कर चुकी है? किन्तु विडम्बना की बात है कि सारी कवायद बेअसर साबित होते हुए देखी जा रही है और आवारा पशुओं की धमाचौकड़ी की समस्या का हल नही निकाल पा रहा है, जिसके चलते वर्तमान में देखा जावे तो नगर के शुक्रवार बाजार स्टेशन इलाके, पलोटन गंज, शासकीय चिकित्सालय मार्ग, पानी टंकी के पास में तो दिन रात आवार जानवर आतंक मचाते नजर आ ही रहे है। इसके अलावा रात के समय में नगर की शालाओं के परिसरों, थाना प्रांगण, शासकीय कार्यालयों के घेरों में भी घरों से बेदखल जानवरों का जमावड़ा दिखायी पड़ रहा है। सूत्रों के अनुसार शहर में घास की हरियाली खत्म होने भूख, प्यास से बेहाल जानवर भटकते रहते है और इन पशुओं में आपसी लड़ाई का नजारा तो इस प्रकार से देखने मिलता है कि वह घंटो तक नगर की सड़को पर जाम की स्थिति निर्मित करने से नही चूकते है, जिसे चलते नगर की सड़को से निकलने वाले वाहन चालक असुरक्षित हो जाते है। क्योंकि इस प्रकार से मुख्य मार्गो पर मटर गस्ती के रूप में भ्रमण करने वाले पशुओं के कारण आये दिन स्कूल छात्र छात्राओं के साथ आम राहगीरों को घायल होते हुए देखा जाना आम बात बन चुकी है। जिसके चलते नपा. से अपेक्षा व्यक्त की जा रही है कि वह अवारा जानवरों को चिन्हित कराये तथा उन्हे उन बेरहम पशु पालकों के हवाले करे जो दूध देने वाली गाय के गले मे तो घंटी बाँध उसकी पूजा करते है पर जैसे ही उसने दूध देना बन्द किया निर्मम ढंग से उसे आवारा जानवरों की जमात मे शामिल कर देते है।

प्रधानमंत्री आवास योजना वास्तविक पात्र हितग्राही हो रहे वंचित

सांईखेड़ा। इस समय देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा गरीबों के हितों का ध्यान रखते हुए अनेक प्रकार की योजनाएं चला रही है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो प्रधान मंत्री आवास योजना एवं पूर्व से संचालित होने वाले मुख्यमंत्री आवास व इंदिरा आवास योजना, इन अयोजना के चलते जनपद पंचायतों के द्वारा ग्राम पंचायतों के माध्यम से काफी समय से संचालित की जा रही है, परंतु इसके बाद भी आज इसके वास्तविक हकदार योजना का लाभ पाने से वंचित हैं? आँकड़े हजारों के लाभान्वित हो जाने की जानकारी दे रहे हैं।

चुन्नीलाल का निधन

गाडरवारा। समीपस्थ ग्राम मऊ निवासी श्रीकृष्ण कुमार, अरविंद व हरिगोविंद के पिताश्री तथा नगर के शासकीय चिकित्सालय में औषद्यी केन्द्र के प्रभारी नारायण व नीरज कौरव के दादाश्री चुन्नी लाल खिचरौरिया को बीते हुये दिवस निधन हो गया। बताया जाता है कि चुन्नी लाल खिचरौलिया लगभग 100 से अधिक आयु के थे तथा कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। स्व. खिचरौलिया के निधन पर क्षेत्र के लोगों द्वारा शोक प्रकट किया गया। वही इनका अंतिम संस्कार आज 17 मई शुक्रवार को सुबह 9 बजे गृहग्राम मऊ में किया जावेगा।

तेज आवाज वाले साईलेन्सरों के खिलाफ मुहिम जरूरी

पुलिस के बुलडोजर में ब्रेक लगते ही वाहन चालकों के हौसले फिर दिखाई देने लगे बुलंद

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

परिवहन विभाग द्वारा सड़कों पर संचालित वाहनों में प्रेशर हार्न के उपयोग के संबंध में तमाम नियम बनाये गये है। मगर बावजूद इसके राष्ट्रीय से लेकर राज्य स्तरीय मार्गो सहित शहर की गली कूचो तक में दौड़ने वाले अनेक छोटे से लेकर बड़े वाहनों व बाइकों तक में जिस प्रकार से प्रेशर हार्नो का बेखौफ उपयोग किया जा रहा है वह निश्चित ही परिवहन विभाग के निमयों को दर किनार करने में कोई कसर नही छोड़ रहा है? इस समय देखा जावे तो लोगों द्वारा अपने वाहनों में रौब झाड़ते हुये जिस प्रकार से प्रेशर हार्न का उपयोग किया जा रहा है कि मानो इनका उपयोग करना मूल अधिकार हो? शहर से लेकर गांव गांव तक इन प्रर्शर हार्नो का जिस तरह उपयोग होते हुये देखा जा रहा है वह आमजन के लिये परेशानी का कारण साबित होते हुये जान पड़ रहा है? शासन द्वारा पुलिस वाहनों से लेकर फायर बिग्रेड तथा मरीजों को ले जाने वाली एम्बुलेंसों के लिये अधिकृत किये गये सायरन तक लोगों द्वारा अपने वाहनों में लगाते हुये उनका दुरूपयोग करने से नही चूक रहे है। यदि नगर में देखा जावे तो प्रभाव शाली लोगों से लेकर आवारा गर्दी करने वालों द्वारा अपने वाहनों में नियमों को दर किनार करते हुये धडल्ले से साईरन नुमा हूटर उपयोग करते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर बाईको से लेकर चार पहिया वाहनों तथा ट्रक, बसो में जिस तरह कर्कश आवाज निकालने वाले प्रेशर हार्नो का उपयोग हो रहा है उसके कारण शहर की मुख्य सड़को इन वाहनों से निकलने वाली आवाजों के बीच लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। जबकि नियम के अनुसार बताया जाता है कि सायरन हूटर लगाने का अधिकार सिर्फ चुनिंदा लोगों को ही होता है जिन्हें शासन द्वारा अधिकृत किया जाता है, मगर यहां पर तो जिस वाहन मालिक के मन में आता है वह अपने वाहन में मनमर्जी के मुताबिक हूटर या फिर पुलिस का सायरन लगाते हुये रौब झाड़ने के साथ पुलिस के वाहनों में लगने वाले सायरन को मजाक बना डाला है। मगर इस ओर प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर यातायात विभाग की उदासीनता का परिणाम है कि इस प्रकार से लोग अपने वाहनों में हूटर लगाने का शौक पालते हुये मनमर्जी पर उतारू दिखाई पड़ रहे है, जो सिर्फ अपने शौके के चलते जहां यातायात नियमों की धज्जियाँ उठा रहे है और यह वाहन शहर से लेकर ग्रामीण के बीच अपना रौब झाडने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र में अनेक लोगों द्वारा अपनी गाडियों में लगी हुई सायरन हूटर का इस प्रकार से प्रयोग किया जाता है जिसके चलते आम लोगों को परेशानियों का सामना तो करना ही पड़ता वही मानव जीवन के स्वास्थ्य पर भी इसका विपरित असर पड़ने से नही चूक रहा है। स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि इस समय शहर से लेकर गांव सहित पुलिस थानों के सामने से खुलेआम हूटर व पुलिस की आवाज निकालने वाले सायरन बजाते हुये अपने वाहनों को घूमने से नही चूक रहे है। मगर इसके बाद भी इनके खिलाफ किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही न होना चर्चा का विषय बना हुआ है? यह बात अलग है कि क्षेत्र का पुलिस प्रशासन जो आये दिन वाहन चैकिंग के नाम पर छोटे मोटे लोगों के खिलाफ तो चालानी कार्यवाही करते हुए उन पर रौब झाडकर वाही वाली लूटने में कोई कसर नही छोड़ता है। मगर उनको कभी यह दिखाई नही देता है कि अनेक निजी गाड़ियों में खुलेआम जिस प्रकार से नियमों को दर किनार करते हुये सायरन हूटर तथा अन्य अन्य प्रकार के प्रेशर हार्न लगे हुये है जो खुलेरूप से नियमों के विपरित होने के बाद भी कार्यवाही करने की हिम्मत नही की जाती है। जबकि गौर किया जावे तो सायरन हूटर लगी हुई गाडियां आये दिन पुलिस थानो से लेकर अन्य जिम्मेदार अधिकारियों के कार्यालयों के सामने से गूजरती रहती है जिन्हें अधिकारी खुलेआम नजर अंदाज करते हुये अभयदान की मुद्रा में नजर आने से नही चूक रहे है? गौर किया जावे तो कुछ माह पहले जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में इनके खिलाफ लगातार मुहिम चलाते हुये तेज आवाज बाले साईलेन्सरों पर बुलडोजर चलाने की कार्यवाही की जा रही थी जिससे काफी हद तक राहत महसूस हो रही थी। मगर यह कार्यवाही अचानक ठंडे बस्ते में चलने जाने के कारण वान चालकों को हौसले फिर बुलंद नजर आने से नही चूक रहे है? इस तरह तेज हार्न वाले वाहनों के दुर्घटना की आशंका- इस प्रकार से नियम विरूद्व वाहनों में लगे हुए सायरन हूटर तथा प्रेशर हार्नो से सबसे ज्यादा परेशानी तब होती है जब आगे चल रहे वाहन चालक को पीछे से या सामने से सायरन हूटर प्रेशर हार्न सुनाई देता है, खासतौर से जब उसके बगल से प्रेशर हार्न बजाता वाहन सट कर निकलता है, इस स्थिति में तो अक्सर वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है, कई बार ऐसी दुर्घटना से जान तक चली जाती है। शौक बन गया प्रेशर हार्न बजाना-इन दिनों गौर किया जावे तो सायरन हूटर का उपयोग जहां नियमों के विपरित होने के बाद भी लोगों द्वारा अपने वाहनों में उपयोग किया जा रहा है, वही प्रेशर हार्न का सर्वाधिक उपयोग युवा बाईक चालकों द्वारा किया जाता है जो नगर में ऐसे हार्न की आवाज हमेशा सुनी जा सकती है। बताया जाता है कि ऐसे बाईक चालक प्रेशर हार्न की कर्कश आवाज बजाते हुए इस तरह निकलते है कि मानों किसी दौड़ प्रतियोगिता में भाग ले रहे हो? इस बात को इस तरह भी कहा जा सकता है कि बाईक या अन्य वाहनों में प्रेशर हार्न का उपयोग करना शौक भी बन गया है और इन शौकीनों को सड़क दुर्घटना का कोई खौफ नही है। इतना ही नही यदि इन हार्नो की सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस तरह के हार्न के चलन के संबंध में चिकित्सकों का कहना है कि इनकी कर्कश ध्वनि से ह्दय गति बढ़नें का खतरा भी है, इनके उपयोग पर सख्ती से प्रतिबंध लगाया जाना जरूरी है, बताया कि कान में आवाज सुनने की एक क्षमता होती है, यदि उक्त क्षमता से तेज गति की आवाज कानों तक पहुंचे तो व्यक्ति बहरा भी हो सकता है। मगर पता नही शासन प्रशासन द्वारा इस ओर क्यों ध्यान नही दिया जा रहा है जिसके चलते आम लोगों की जिन्दगी पूर्ण रूप से खतरे में नजर आ रही है। नये फैसन की बुलेट गाड़ी के आबाज से लोगों को रात में नींद लेना हुआ मुश्किल- पूर्व में सड़को पर दौड़ने वाली बुलट बाइक में अचानक कमी आने के बाद फिर युवाओं में बुलट चलाने का जो शौक पैदा हुआ है वह आम लोगों के लिये परेशानी का कारण बनने से नही चूक पा रहा है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो युवाओं में बुलट बाइक के प्रति बढ़ रहे शौक के चलते नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी बुलट गाड़ियो की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी होते हुये देखी जा रही है जिसके सायलेन्सर से निकलने वाली आवाज ही इतनी तेज होती है कि उसको सुन पाना मुश्किल हो जाता था। मगर अब नये फैसल की बुलेट में जिस प्रकार से युवाओं द्वारा अलग प्रकार की आवाज सेट कराई जा रही है वह चलते चलते अचानक बम की तरह निकालने से नही चूकती है इस आवाज के चलते जब देर रात नगर की गलियों में बुलट बाइक दौड़ते हुये इस प्रकार से आवाज निकालती है तो लोग अपने घरों में नींद तक नही ले पा रहे है। क्योंकि फटाखा बम के समान यह आबाज इतनी तेज होती है कि सो रहे किसी भी व्यक्ति की नीद गायब हो सकती है? इस प्रकार से नगर व शहरों में लगातार बुलेट बाईकों की बढ़ोत्तरी आम लोगों के लिये सिर दर्द बनने से नही चूक पा रही है? जिसके चलते आमजन द्वारा प्रशासन से युवाओं द्वारा अपनी बुलेट बाईकों में बमनुमा आवाज निकालने वाले यंत्र लगवाए जाने पर रोक लगाना चाहिये।

नगर के अंदर संचालित हो रही अंडा दुकानों से बिगड़ रहा माहौल, शराबखोरी करने वालों का लगा रहता है जमावड़ा

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। इस समय जिस प्रकार से शराबखोरी करने वाले लोगों से आमजन को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है, उसके चलते नगर की कानून व्यवस्था पूर्णरूप से पटरी पर उतरते हुए देखी जा रही है, इस सब का प्रमुख कारण मात्र एक ही देखा जा रहा है कि नगर के अंदर संचालित होने वाली पान दुकानों के चलते एक ओर नगर का वातावरण प्रदूषित होने से नही बच पा रहा है, वही दूसरी ओर इन अंडा दुकानों पर शाम होते हुए जिस प्रकार से शराबखोरी करने वाले लोगों का जमावाड़ा लग जाता है उसके चलते आम लोगों मुख्य मार्गो से निकलना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि नगर में जहां तहां लगी हुई इन अंडा दुकानों के चलते स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि शराब के नशे में मस्त लोगों द्वारा जिस प्रकार से अपशब्दों का उपयोग किया जाता है उसके चलते यहां पर रहवास करने वाले लोगों का रहना मुश्किल हो रहा है, वही दूसरी ओर महिलाओं का अपने घरों से निकला तो पूर्णरूप से दूभर हो चुका है, इतना ही नही इन अंडा दुकानों के चलते लोगों की धार्मिक भावनाओं को भी ठेंस पहुंचते हुए देखी जा रही है? क्योंकि नगर में इन अंडा दुकानो को लगाने वालों द्वारा न तो धार्मिक स्थलों का ध्यान रखा जा रहा है और न ही रहवासी मकानों का जिसके चलते मार्गो पर मनमर्जी के साथ स्थापित की गई इन अंडा दुकानों के चलते सार्वनिजक मार्गो से शाम होते ही महिलाओं का निकलना मुश्किल हो जाता है, यदि कोई महिला को मजबूरीबस निकलना भी पड़ता है तो अंडा दुकानों के आस पास मड़राने वाले शराबियों की छीटाकशी का शिकार होकर अपमानित होते हुए देखा जाता है, इस सच्चाई की ओर न तो पुलिस प्रशासन द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही उन लोगों द्वारा जो नगर की जनता की सेवा करने का पूरा भरोसा दिलाने से नही चूकते है, इस प्रकार से नगर की लगातार बिगड़ रही कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नगरवासियों द्वारा जहां तहां रहवासी क्षेत्रों में संचालित होने वाली अंडा दुकानों पर अंकुश लगाये जाने की मांग की जा रही है।

सांईखेड़ा झिकोली के बीच दो बाइकों की भीषण टक्कर में माँ पुत्र सहित मासूम नातिन की मौके पर हुई मौत, अर्जुन ने उपचार के दौरान तोड़ा दम

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। वाहन चलाते समय जरा सी चूक निश्चित तौर से लोगों की जिन्दगी को खतरे में डालने से ही चूकती है। कुछ इसी प्रकार क सच्चाई बीते हुये गुरूवार को उस समय देखने मिली जब झिकोली व सांईखेड़ा के बीच स्टैट हाईव क्रमांक 44 पर दोपहर के समय दो मोटर साईकिलों की हुई भीषण टक्कर में एक बाइक पर सबार माँ सहित पुत्र व नातिन की मौके पर ही मौत हो गई। वही टक्कराने वाली दूसरी बाइक पर सबार घायल अर्जुन ने ने उपचार के दौरान दम तौड़ दिया गया। घटना को लेकर पुलिस द्वारा जांच शुरू कर दी गई है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम उसराय निवासी मोती लाल नौरिया अपनी बीमारी के चलते उपचार हेतु भोपाल जा रहा था जिसके चलते एक बाइक पर वह अपने साथी के साथ अलग चल रहा था तथा दूसरी बाइक पर उसकी पत्नी मुन्नी बाई पति मोती लाल नौरिया उम्र 52 वर्ष, पुत्र कृष्णपाल पिता मोती लाल नौरिया उम्र 19 वर्ष, नातिन कुमारी कुमारी हेमलता पिता नंद लाल नौरिया उम्र 9 वर्ष व राधिका पिता मान सिंह नौरिया उम्र 12 वर्ष सबार होकर जा रहे थें। इस तरह अचानक आई हुई एक अन्य गाड़ी दूसरी बाईक के बीच जब माँ पुत्र व नातिन जिस मोटर साईकिल पर सबार थी उनकी टक्कर होने के चलते गंभीर रूप से घायल होने के चलते मुन्नी बाई, कृष्ण पाल व हेमलता ने मौके पर ही दम तोड़ दिया गया था। वही दूसरी बाइक पर सबार घायल अुर्जन पिता कडोरी नौरिया उम्र 30 साल निवासी पतई को गंभीर स्थिति में उपचार हेतु भेजा गया था जहां पर इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया गया। वही बताया जाता है कि मृतक कृष्णपाल की गाड़ी पर सबार कुमारी राधिका पिता मान सिंह नौरिया की स्थिति गंभीर होने के चलते जबलपुर उपचार के लिये रेफर किया गया है। इस तरह घटित हुई घटना में चार लोगों की मौत होने की खबर फैलते ही घटना स्थल पर लोगों की भीड़ लग गई। वही दूसरी ओर घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची सांईखेड़ा पुलिस द्वारा मृतको के शवों का पंचनामा बनाते हुये मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया गया है। घटना की सच्चाई को लेकर बताया जाता है कि जब मोती लाल ने अपनी पत्नी व पुत्र सहित नातिन को तडपते कर दम तोड़ते हुये अपनी आंखों से देखा तो वह पूर्णरूप से सुधबुध खोने से नही चूक पाया था।

इमरती लकड़ी की कमी के दौर में शहीद हो रहे बबूल के छायादार वृक्ष, ईंट भट्टा मालिक कर रहे मजा

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

जहां एक ओर प्रतिवर्ष सरकार द्वारा वृक्षारोपण करते हुए लाखों रूपया खर्च किये जा रहे है तथा सरकार हरियाली महोत्सवो, अंतर्राष्टीय पर्यावरण दिवस पर क्षेत्रवासियों को वृक्षों के रोपण, उनकी रक्षा का संदेश देकर बड़ी बड़ी बाते की जाती है। मगर वही दूसरी ओर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो पौधा रोपण करने वालों द्वारा पौधा रोपने के बाद वह अपने कर्त्तव्य की इतिश्री तो कर लेते है पर नेताओं से लेकर शासकीय अधिकारियो द्वारा बाद में कभी इस बात से चिंतित नजर नही आते कि आखिर उनके द्वारा रोपा गया पौधा सुरक्षित है कि नही वही दूसरी ओर वही दूसरी ओर जहां सरकार द्वारा पौधा रोपण करने पर जोर देते हुये हर वर्ष करोड़ो रूपया खर्च किये जाते है तो दूसरी ओर क्षेत्र में लगतार हरे भरे वृक्षों पर कुल्हाडी चलते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी अब सबाल यह है कि वें कौन से कारण है, जिनके चलते जंगल में वृक्षों की अंधा धुंध कटाई हो रही है तथा जरूरत पड़नें पर क्षेत्रवासियों को इमारती लकड़ी की कमी की समस्या से जूझने मजबूर होना पड़ता है। हालत यह है कि वर्तमान में जिस पैमाने पर विभिन्न तरह के वृक्षो का निर्मम तरीके से कत्ल ए आम हो रहा है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि जंगल में खड़े सागौन के वृक्षों के ठूंठ इस बात की गवाही दे रहे है कि क्षेत्र में खुलेआम लकड़ी कटाई का अवैध कारोबार चल रहा है, जिससे इमारती लकड़ी का संकट आगामी वर्षो में और अधिक गहराने के आसार होने से इंकार नही किया जा सकता है? गौरतलब है कि पहले क्षेत्र के गांवों की सड़कों के किनारों पर हरीतिमा बिखेरने वाले बबून के छायादार वृक्ष लगे थे, इनमें कई वृक्ष तो उम्र दराज थे और वृक्षो के काटने पर बिना अनुमति के काटने पर रोक के चलते वे सलामत थें, किंतु विगत वर्षो से बबूल के वृक्षों के काटने पर लगा प्रतिबंध हटने के बाद अब स्थिति यह देखी जा रही है कि लोग अपने स्वार्थो के चलते इन बबूल के पेडों को धड़ल्ले से धराशायी कर सड़कों को छाया विहीन किया जा रहा है, यहां तक कि इमारती लकड़ी का कारोबार करने में माहिर कुछ लोग बबूल की लकड़ी कों तहसील सीमा से बाहर भेज माला माल हो रहे है? सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बबूल की लकड़ी खुलेआम ईट भट्टों में उपयोग करते हुए जहां ऱ्इंट भट्टो के मालिक मौज कर रहे है वही बबूल की लकड़ी व सागौन की किल्लत के कारण इस बबूल की ही लकड़ी फर्नीचर बनाने में काम भी आ रही है, विदित हो कि जब सरकार ने किसानों को निस्तारी लकड़ी सहजता से उपलब्ध न होने के उद्देश्य से बबूल के वृक्ष काटने से रोक हटायी थी तो क्षेत्र के जिम्मेदार लोकप्रिय नेताओं को यकीन था कि बबूल की लकड़ी का उपयोग केवल किसान अपने कामो में करेंगे और अनावश्यक तौर पर बबूल के वृक्ष काटे नही जायेंगे, किंतु बाजारीकरण की लहर की बालिहारी कि वर्तमान में क्षेत्र में बबूल के वृक्षो की शहादत का सिलसिला नही थम रहा है और उनके कटने की स्थिति में ग्रामों की सड़के अपनी सुंदरता खोती चली जा रही है, वही लोग दिन दहाडे बबूल के पेड़ो पर कुल्हाडी चलाते हुए देखे जा रहे है।

क्षेत्र में बढ़ रही किसानों के कृषियंत्रों के चोरी होने की घटनाएं, चिंता में देखे जा रही क्षेत्र के किसान

हरिभूमि न्यूज/सडूमर। इस समय जिस प्रकार से क्षेत्र में चोरी की घटनाएं घटित हो रही है उसके चलते क्षेत्र के लोग लगातार दहशत की स्थिति में तो देखे ही जा रहे है। मगर अब स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि किसानों के खेतों पर रखे हुए कृषि यंत्रों की चोरी की घटनाओं में बढ़ोत्तरी होने के कारण किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है? क्योंकि इस समय पड़ रही गर्मी के मौसम के चलते किसानों को सिंचाई हेतु मुश्किल से ही बिजली मिल पा रही है जिसके चलते किसान अपने खेतों में लगी हुई मूंक व गन्ने की फसल की सिंचाई चिलचिलाती धूप की परवाह किये बगैर करने में लगा हुआ है। मगर जब देखा जाता है कि किसान अपने खेतों से थोडी देर के लिए जब अलग होता है तो वहां पर रखे हुए कृषियंत्रों पर अपने हाथ साफ करने वाले कोई मौका नही छोड़ रहे है जिसके चलते क्षेत्र के किसान दहशत में देखे जा रहे है इस प्रकार से किसानों के कृषि यंत्रों की चोरी की घटनाओं के चलते जहां क्षेत्र के किसानों को आर्थिक क्षति का सामना तो करना ही पड़ रहा है, वही दूसरी ओर उनके कृषि कार्यो में भी काफी व्यवधान पैदा हो रहा है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने मिल रही है। वही दूसरी ओर बताया जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में धड़ल्ले से चल रहे शराब के अवैध कारोबार का परिणाम ही है कि इस प्रकार से चोरी जैसी घटनाएं आम होती जा रही है? क्योकि इस भीषण महंगाई के दौर में जब युवाओं को इस प्रकार से नशे की लत लग जाती है और उसे पूरी करने के लिए युवाओं के पास जब धन का आभाव होता है तो वह इस प्रकार से चोरी जैसे कदम उठाते हुए अपनी लत को पूरी करने से नही चूकते है? इस संबंध में लोगों का कहना है कि यदि गांव गांव बिक रही अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लग जावे तो निश्चित ही इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश लगने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? वही किसानों के खेतों से लगातार हो रहे कृषि यंत्रों की चोरी की शिकायते करने जब पीड़ति पुलिस थानों में पहुंचते है तो पुलिस द्वारा आवेदन लेते हुये अपनी औपचारिकता पूरी करते हुये पीड़ति को चलते कर दिया जाता है? जिसके चलते न तो पुलिस चोरों को खोज पाती है और न ही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लग पा रहा है?

खबर संक्षेप

पशुपालकों से गौवंश, भैसवंश का निःशुल्क टीकाकरण करवाने की अपील

अनूपपुर। प्रदेश में खुरपका एवं मुंहपका रोग (एफएमडी) टीकाकरण का चतुर्थ चरण 15 मई, 2024 से प्रारंभ हो रहा है। सभी ग्रामों के समस्त गौवंश, भैसवंश को निःशुल्क टीकाकरण कराने हेतु टीका सभी संस्थाओं में भेजा जा चुका है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपसंचालक डा ए पी पटेल ने समस्त पशुपालको से अपने गौवंश और भैंस वंश के पशुओं को निः शुल्क टीकाकरण का लाभ उठाने की अपील की है।उन्होने जिले के बकरी एवं भेडो पालको को निःशुल्क पी.पी.आर. टीकाकरण करवाने की अपील करते हुए कहा है कि यह टीकाकरण कार्य 15 मई, 2024 से प्रारंभ हो गया है। डॉ पटेल ने बताया कि उपरोक्त दोनों बीमारियां वायरस के द्वारा फैलती हैं, बीमारी होने पर पशुमालिक को आर्थिक हानि उठानी पड़ती है। टीकाकरण करवाकर अपने पशुओं को स्वस्थ्य रखें। स्वस्थ पशु से किसान आर्थिक रूप से सम्पन्न होगा।

मतगणना कार्मिकों का प्रशिक्षण 20 मई को

अनूपपुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 के मतगणना कार्य में लगाए गए माइक्रो आब्जर्वर/ गणना पर्यवेक्षक/ गणना सहायक का प्रशिक्षण 20 मई 2024 को प्रातः 10 बजे से 1 तक शासकीय एकलव्य आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर में आयोजित किया गया है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ट शर्मा ने बताया है कि मतगणना दल में लगाए गए सभी मतगणना कार्मिकों को निर्धारित तिथि पर प्रात 9:30 बजे अनिवार्यतः उपस्थिति के निर्देश दिए गए हैं उन्होंने मतगणना कार्मिकों से निर्धारित दिनांक व समय पर उपस्थिति की अपील की है।

पुष्पराजगढ़ के झांझर टोला में रोका गया बाल विवाह

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ एवं पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र सिंह पवार के दिशा निर्देशन अनुसार गुरूवार 16 मई को जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के ग्राम पंचायत पिपरखुटा के ग्राम झांझर टोला में बाल विवाह को रोका गया। इस दौरान अजजा वर्ग के वर एवं वधु पक्ष के अभिभावकों को समझाईश दी गई कि बाल विवाह करना एवं करवाना एक कानूनी अपराध है। विवाह के लिए वर की आयु 21 वर्ष तथा वधु की आयु 18 वर्ष से कम नही होनी चाहिए। इस अपराध के लिए सजा का प्रावधान है। समझाईश के बाद दोनो पक्षों के अभिभावकों ने बालिग होने के उपरांत विवाह सम्पन्न कराने की बात कही। बाल विवाह रोकने में महिला एवं बाल विकास विभाग की सहायक संचालक श्रीमती मंजूषा शर्मा, पर्यवेक्षक कृष्णलता मरावी, कुसुम लकड़ा एवं थाना करनपठार के एएसआई कमल व पुलिस आरक्षक शशि गोंड़ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खेत में दवा डाल रहे युवक की सर्पदंश से मौत

ढीमरखेड़ा। उमरियापान थाना क्षेत्र में मंगलवार को खेत में दवा डाल रहे एक युवक की सर्पदंश से मौत हो गई है। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुटी है। प्रधान आरक्षक योगेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि उमरियापान के नई बस्ती निवासी बैजनाथ पिता बद्री प्रसाद चक्रवर्ती (40) टोला हार में अपने खेत में बोई उड़द की फसल में दवा डाल रहा था। इसी दौरान जहरीले सर्प ने डस दिया। घर पहुँचकर युवक ने परिजनों को जानकारी दी।जिसके बाद परिजनों ने उपचार के लिए उमरियापान अस्पताल में भर्ती कराया। कहा उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई।

आंधी तूफान से पलटा आटो, 4 लोग हुए घायल

कटनी। कुठला थाना अंतर्गत इंद्रा नगर क्षेत्र में गत शाम तेज आंधी की चपेट में आया सवारियों से भरा ऑटो पलटने से 4 लोग घायल हो गए। घायलों इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार गत शाम तेज आंधी तूफान के दौरान इंद्रा नगर से गुजर रहा ऑटो आंधी के कारण पलट गया।

संभागायुक्त ने कैलवारा में अमृत सरोवर का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। आयुक्त जबलपुर संभाग अभय वर्मा ने डिंडोरी भ्रमण के दौरान ग्राम कैलवारा में अमृत सरोवर का निरीक्षण किया। उन्होंने अमृत सरोवर और मत्स्य पालन के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर विकास मिश्रा ने अमृत सरोवर के बारे में बताया कि पूर्व में रिक्त स्थान पर गत वर्ष अमृत सरोवर क निर्माण किया गया है। जिसमें सरप्लस पानी उपलब्ध है, डिंडोरी जिले में अमृत सरोवर के तहत इस सरोवर का कैचमेंट क्षेत्र सबसे बड़ा है। हाल ही में सरोवर में मत्स्य पालन शुरू किया गया है। आयुक्त ने मत्स्य समिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। जिसमें बताया गया कि कुल समिति में 11 सदस्य शामिल है, जिनके द्वारा मत्स्य उत्पादन का कार्य किया जा रहा है। साथ ही सरोवर के द्वारा समीपस्थ खेतों में सिंचाई भी की जा रही है। सरोवर क्षेत्र में पार्क का विकास किया जाना प्रस्तावित है। आयुक्त ने उत्पादित मछलियों के गुणवत्ता का परीक्षण किया और कृषकों को ऐसी फसल लगाने की सलाह दी, जिससे अधिक लाभ कमाया जा सके। निरीक्षण के दौरान एसडीएम शहपुरा अनुराग सिंह, तहसीलदार शहपुरा पुष्पेंद्र पेंन्द्रो, सीईओ जनपद पंचायत डिंडोरी निखिलेश कटारे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वन विभाग और स्थानीय व्यक्ति की मदद से पकड़ाया कब्र बिज्जू

साथ मे करीब एक माह नवजात बच्चा को रेस्क्यू किया गया

हरिभूमि न्यूज शहपुरा। ग्राम बरगांव स्थित एक बैल्डिंग दुकान में कब्र बिज्जू की खबर होने पर तत्काल इसकी सूचना दुकान संचालक मनोज तिवारी ने वन विभाग शहपुरा को दी जिसकी सूचना पर रेंजर जगदीश वास्पे और डिप्टी रेंजर हिम्मत सिंह धुर्वे ने तत्काल लक्ष्मी परस्ते, चेतराम वरकड़े वन रक्षक सर्प मित्र दीपचंद कछवाहा को मौके पर भेजा और कड़ी मशक्कत के बात कब्र बिज्जू और एक माह के नवजात बच्चे को रेस्क्यू किया गया जिसे रेंजर जगदीश वास्पे ने अपनी देख रेख में जंगल मे छुड़वाया। वही इस पूरे मामले जब रेंजर जगदीश वास्पे से बात की तो उन्होंने बताया, कब्र बिज्जू एक मुर्दाखोर जानवर है और यह है इंसानों के शवों को कब्र के अंदर घुस कर खा लेता है. यह अपने बड़े बड़े नाखूनों से कब्र खोदकर मुर्दा खा लेता है. बिज्जू आलसी होता है और मंद गति से चलता है. यह सर्वभक्षी है।

18 मई से श्रीमद् भागवत कथा का होगा आयोजन

कथा वाचक रूपाली किशोरी वृंदावन के मुखारविंद से भक्त करेंगे श्रवण पान

हरिभूमि न्यूज शहपुरा। शहपुरा नगर के वार्ड क्रमांक 3 बरमगंज स्थित रामकृष्ण गुप्ता व उनकी धर्मपत्नी वंदना गुप्ता के द्वारा पोती आन्या गुप्ता की स्मृति में अष्टद्वासीय श्रीमद् भागवत पुराण का आयोजन किया जा रहा है। जोकि 18 मई से शुभारंभ हो रहा है। कार्यक्रम 18 मई को कलश यात्रा व भक्त चरित्र 19 मई को अमर कथा सुखदेव जन्म महाभारत कथा,20 मई को सती चरित्र कपिलदेवाहूती चरित्र का वर्णन,21 मई को समुद्र मंथन वामन अवतार रामजन्म कृष्ण जन्म की कथा,22 मई को बाल लीलाओं का वर्णन माखन चोरी लीला कालिया वन का उद्धार, 23 मई को महा रासलीला गोपी उद्धव संवाद कंस वध रुक्मणी विवाह, 24 मई को राजा नृग की कथा सुदामा चरित्र मोक्ष कथा, 25 मई को गीता पूर्णाहूति के साथ भंडारे प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा।

आयुक्त ने किया चिचरिंगपुर में अन्नपूर्णा राइस मिल का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। आयुक्त जबलपुर संभाग अभय वर्मा ग्राम चिचरिंगपुर में अन्नपूर्णा राइस मिल का निरीक्षण किया। उन्होंने अन्नपूर्णा राइस मिल के कार्यों की जानकारी ली। कलेक्टर विकास मिश्रा ने अवगत कराया कि राइस मिल का संचालन रानी दुर्गावती स्व-सहायता समूह द्वारा किया जा रहा है। समूह की अध्यक्ष श्रीमती रुकमणि परस्ते ने आयुक्त को राइस मिल के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि समूह में 15 महिलाएं मिलकर धान से चावल बनाने का कार्य कर रही है। ग्रामों से धान मिल तक लाई जाती है, जिससे 1 घंटे में 500 किलोग्राम तक चावल को तैयार किया जा रहा है। वहीं शेष बचे अपशिष्ट को पशु चारा बनाने वाले व्यवसायी खरीद लेते जिससे समूह को लाभ प्राप्त होता है। आयुक्त ने राइस मिल में चावल बनने की प्रक्रिया का अवलोकन कर चावल की गुणवत्ता परिक्षण किया। उन्होंने समूह की दीदीयों से राइस मिल से होने वाले लाभ के बारे में चर्चा की। इस दौरान एसडीएम शहपुरा अनुराग सिंह, सीईओ जनपद पंचायत डिंडोरी निखिलेश कटारे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संभागायुक्त ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक ली

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। संभागायुक्त अभय वर्मा ने डिंडौरी कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की। कलेक्टर विकास मिश्रा ने आयुक्त अभय वर्मा का स्वागत मोवे से बनी बीरन माला पहनाकर किया। उक्त बैठक में एडीएम सरोधन सिंह, अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, एसडीएम शहपुरा अनुराग सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। संभागायुक्त ने वन विभाग की समीक्षा करते हुए तेंदूपत्ता संग्रहण और बिक्री के संबंध में जानकारी ली। जिसमें बताया गया कि जिले में कुल 17 वनोपज समितियां कार्यरत हैं। 10 मई से तेंदूपत्ता संग्रहण शुरू हुआ है जो लगभग 1 महीने तक चलता है।आयुक्त ने नरेगा के कार्यों की समीक्षा करते हुए पंजीकृत कर्मी और रोजगार के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने प्रचलित कार्यों की जानकारी ली जिसमें आवासीय कार्य में निर्माणाधीन कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए तथा सीसी जारी करने के लिए निर्देशित किया। नरेगा के तहत बनाए जा रहे अमृत सरोवरों की जानकारी ली। जिसमें बताया गया कि 102 अमृत सरोवरों में 101 अमृत सरोवर पूर्ण हो चुके हैं। नरेगा के तहत जिले में सात नर्सरी का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही अमरपुर की रामगढ़ पंचायत में सामुदायिक पोषण वाटिका का निर्माण किया गया है। जिसमें उद्यानिकी पौधों का रोपण किया गया है।आयुक्त ने जनमन आवासों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्माणाधीन कार्यों को त्वरित रूप से पूर्ण करने के निर्देशित किया। उन्होंने खाद्य विभाग से गेंहू, चना, मसूर उपार्जन की जानकारी प्राप्त की। बताया गया कि जिले में 12 उपार्जन केन्द्र स्थापित किए गए है। जिसमें 1575 किसानों के द्वारा उपार्जन किया जा चुका है। 20 मई तक उपार्जन किया जाएगा।आयुक्त ने राजस्व विभाग के नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरस्ती और नक्शा तरमीम की समीक्षा की और नक्शा तरमीम के क्षेत्र में कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।आयुक्त ने ऊर्जा विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए भानपुर नवीन उपकेन्द्र अमरपुर, डिंडौरी में कैपेसिटर बैंक का कार्य सहित अन्य प्रचलित कार्यों की जानकारी ली। विद्युत विभाग द्वारा पीवीटीजी के 72 घरों में पहली बार बिजली पहुंचाई गई है। उन्होंने पेयजल कार्यों की समीक्षा करते हुए पेयजल व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। पीएचई विभाग द्वारा बताया गया कि पेयजल व्यवस्था के लिए निरंतर टंकी निर्माण, पाइप लाइन, सम्पवेल टैंक व अन्य कार्य किए जा रहे हैं और आवश्यकतानुसार पेयजल के लिए कार्यों को किया जा रहा है। आयुक्त ने इसी प्रकार सड़क निर्माण, जनजाति कार्य विभाग, कृषि विभाग सहित अन्य विभागों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ त्वरित रूप पूरा करें।

जबलपुर संभागायुक्त ने कोदो कुटकी प्रसंस्करण इकाई का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने आयुक्त अभय वर्मा को अवगत कराते हुए बताया कि जिले में कोदो कुटकी का उत्पादन अधिक होता है। जिसके तहत कच्चे माल से तैयार उत्पादों को बनाया जा रहा है। कोदो कुटकी प्रसंस्करण इकाई बैगा चक महिला किसान उत्पादक प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा संचालित की जा रही है। इसमें स्व सहायता समूह की महिलाएं कोदो कुटकी से विभिन्न उत्पादों का निर्माण करती हैं। वर्तमान में कंपनी द्वारा 103 खरीदी केन्द्रों में कार्य किया जा रहा है जिसमें 312 गांव सम्मलित हैं और 10 हजार से अधिक महिलाएं पंजीकृत हैं।

आयुक्त अभय वर्मा ने कोदो कुटकी के प्रसंस्करण प्रक्रिया का अवलोकन किया जिसमें फीडर इकाई में कच्चे माल का उपयोग किया जाता है जिसके बाद फिल्टर, ग्रेडिंग आदि प्रक्रियाओं से होते हुए अंतिम रूप से तैयार उत्पाद बनते हैं। इकाई द्वारा कान्हा भोज नाम से कोदो कुटकी की बिक्री की जा रही है। आयुक्त अभय वर्मा ने कुल उत्पादन के बारे में जानकारी प्राप्त की। जिसके अनुसार अभी तक इकाई द्वारा पांच टन का उत्पादन किया जा चुका है जिसकी निरंतर बिक्री प्रक्रिया जारी है। आयुक्त ने निर्देशित किया कि कोदो कुटकी के उत्पादों की ब्रॉडिंग कर प्रोत्साहित किया जाए। निरीक्षण के दौरान एडीएम सरोधन सिंह, शहपुरा एसडीएम अनुराग सिंह, सीईओ जनपद पंचायत डिंडौरी निखलेश कटारे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कमिश्नर और कलेक्टर ने किया स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

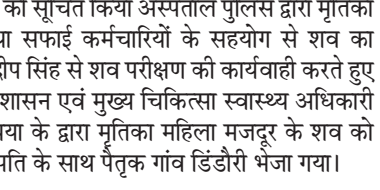

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। आयुक्त अभय वर्मा और कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विकास मिश्रा ने शासकीय चंद्रविजय महाविद्यालय डिंडोरी में स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा, सीसीटीवी, लाइट, ईवीएम-वीवीपेट मशीन, मतपेटियों के रखरखाव की व्यवस्थाओं का बारीकी से मुआयना किया। निर्वाचन आयोग की चैक लिस्ट के अनुसार निर्धारित बिंदुओं की जानकारी ली गई। निरीक्षण में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी सरोधन सिंह, एसडीएम डिंडोरी रामबाबू देवांगन, एसडीएम शहपुरा अनुराग सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जिला प्रशासन के प्रयासों से लगातार रोके जा रहे बाल विवाह

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। आज ग्राम लुढ़रा में बाल विवाह की सूचना प्राप्त हुई, जिस पर कार्यवाही करते हुए महिला बाल विकास विभाग एवं पंचायत विभाग द्वारा ग्राम में हो रहे बाल विवाह को रोका गया। जानकारी के अनुसार वर की आयु आदर्श आयु से कम पायी गयी, संयुक्त टीम ने परिवार को समझाइश देकर समझाया कि विवाह के लिए लड़की की आदर्श आयु 18 वर्ष और लड़के की आदर्श आयु 21 वर्ष है। समझाइश के बाद परिवार के सदस्यों ने सहमति से निश्चय किया कि आदर्श आयु में ही विवाह संपन्न करेंगे। जिला प्रशासन लगातार बाल विवाह रोकने के लिए सार्थक प्रयास कर रहा है। बाल विवाह होने की सूचना प्राप्त होने पर महिला बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग, जनपद पंचायत और राजस्व विभाग के संयुक्त अमले ने बाल विवाह के बारे में वर वधु के माता पिता को समझाया, समझाइश के साथ ही ये भी बताया गया कि बाल विवाह करना और करवाना एक कानूनी अपराध है, बाल विवाह करने वालों के समस्त शासकीय लाभ पर प्रतिबन्ध लग जाता है, समझाइश के बाद दोनों पक्ष ने सहमति के साथ विवाह योग्य आयु होने पर ही विवाह करने का लिखित वचन दिया, जिला प्रशासन की तत्परता के फलस्वरूप बाल विवाह रोकने में सफलता प्राप्त हुई।

मजदूरी कर वापस आ रही महिला की बीमार हालत में अनूपपुर स्टेशन में मौत

रेलवे पुलिस एवं 108 की संचालक की लापरवाही से गई जान

अनूपपुर। गुरुवार की सुबह अनूपपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर एक महिला मजदूर जो अपने 3 वर्ष की अबोध पुत्री के साथ मजदूरी का काम कर वापस लौटी रही कि अचानक बीमारी के कारण लेटे-लेटे ही मौत हो गई। जीआरपी पुलिस एवं 108 एंबुलेंस के भोपाल स्थित संचालक की लापरवाही के कारण महिला मजदूर की जान देर से अस्पताल पहुंचने के कारण हुई वहीं मृतिका की तीन वर्ष की अबोध बालिका विचलित एवं परेशान रही, जीआरपी पुलिस अनूपपुर का एक छोटा सा भी कर्मचारी मानवता वश महिला मजदूर को देखने तक की फुर्सत नहीं निकाल सका। यात्रियों द्वारा 100 डायल पुलिस को सूचना दिए जाने पर 100 डायल पुलिस एवं आरपीएफ पुलिस तथा सामाजिक कार्यकर्ता के पहुंचने तथा स्टेशन मास्टर एवं जीआरपी अनूपपुर के पुलिस का इंतजार करते-करते थक जाने के बाद तथा 108 एंबुलेंस के भोपाल स्थित संचालक के एंबुलेंस भेजने की जगह आधे घंटे तक विभिन्न तरह की बातें पूछते रहने से अत्यंत विलंब होने के कारण महिला मजदूर की जिला अस्पताल ले जाने पर ड्यूटी डॉक्टर द्वारा परीक्षण के पर पूर्व से मृत होना बताया गया, जिसकी सूचना पर जिला अस्पताल पुलिस द्वारा कार्यवाही की गई तथा पति की उपस्थिति में मृतिका के शव को जिला प्रशासन एवं सीएमएचओ के सहयोग से शव वाहन से उसके पैतृक गांव डिण्डौरी जिला भेजा गया। घटना के संबंध में बताया गया कि डिंडोरी जिले के गाडासरई थाना अंतर्गत बरगांव निवासी शिवराम मार्को की 28 वर्षीय पत्नी सरोज मार्को अपनी 3 वर्ष उम्र की पुत्री मोनिका के साथ दो माह पहले अपने मायका से किसी के साथ उत्तरप्रदेश के कानपुर के समीप स्थित भर्वा सुमेरपुर नामक स्थान पर मजदूरी का काम करने गई रही जो 15 मई को ट्रेन में अपनी पुत्री के साथ 16 में की सुबह अनूपपुर स्टेशन में उतरी तथा इस बीच सरोज ने अपने भतीजे को फोन के माध्यम से अनूपपुर आने तथा पति शिवराम मार्को को अनूपपुर स्टेशन भेजने की बात कही। इस बीच सरोज की अचानक ज्यादा तबीयत खराब हो जाने पर वह अनूपपुर के प्लेटफार्म क्रमांक एक में आरपीएफ थाना के पास अपनी बच्ची के साथ लेटी रही तभी वह अचेत हो गई। कई यात्रियों एवं अन्य के द्वारा स्टेशन मास्टर अनूपपुर, जीआरपी पुलिस अनूपपुर, आरपीएफ पुलिस अनूपपुर को जानकारी देते हुए 108 एम्बुलेंस पर फोन किया किंतु भोपाल स्थित 108 एंबुलेंस संचालक द्वारा एंबुलेंस भेजने की जगह सूचनाकर्ता से ही विभिन्न तरह की बातें आधे घंटे तक करते रहे वहीं सूचना के बाद भी जीआरपी पुलिस का एक अदना सा कर्मचारी गंभीर रूप से बीमार, अचेत अवस्था में पड़ी महिला को देखने तक की फुर्सत नहीं निकाल सका वही यात्रियों द्वारा हंड्रेड डायल पुलिस को सूचना दिए जाने पर हंड्रेड डायल के आरक्षक कपिल सोलंकी, पायलट मनोज कुमार यादव रेलवे स्टेशन पहुंचकर उनके द्वारा भी स्टेशन मास्टर एवं जीआरपी थाना अनूपपुर को सूचना दी गई किंतु काफी देर बाद भी कोई नहीं आया। घटना की जानकारी पर अनूपपुर के समाजसेवी शशिधर अग्रवाल भी मौके पर पहुंचकर हंड्रेड डायल पुलिस, आरपीएफ पुलिस एवं स्टेशन के अधिकारियों, सफाई कर्मचारियों के सहयोग से महिला को 108 एंबुलेंस से पीड़ित को जिला चिकित्सालय अनूपपुर लाया गया। इस बीच महिला यात्रियों द्वारा अचेत अवस्था में पड़ी महिला मजदूर की अबोध बालिका को अपने पास रखकर उसे बिस्किट एवं अन्य खाने को दिया गया, फोन से मिली जानकारी पर सरोज की पति शिवराम मार्को गांव से बस से चढ़ कर अनूपपुर स्टेशन पहुंचे तो उन्हें घटना की जानकारी दी गई। जिला चिकित्सालय के ड्यूटी डॉक्टर ने परीक्षण के दौरान सरोज की पूर्व में ही मृत्यु हो जाने की जानकारी देते हुए अस्पताल पुलिस को सूचित किया अस्पताल पुलिस द्वारा मृतिका के पति एवं सामाजिक कार्यकर्ता तथा सफाई कर्मचारियों के सहयोग से शव का पंचनामा करते हुए ड्यूटी डॉक्टर कुलदीप सिंह से शव परीक्षण की कार्यवाही करते हुए कार्यवाही प्रारंभ की इस बीच जिला प्रशासन एवं मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी अनूपपुर डॉक्टर अशोक कुमार अवधिया के द्वारा मृतिका महिला मजदूर के शव को जिला चिकित्सालय के शव वाहन से पति के साथ पैतृक गांव डिंडौरी भेजा गया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, शुक्रवार 17 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

श्री राम भक्त केवट जी का पूजन कर मनाई जयंती

नरसिंहपुर । भगवान श्री राम के प्रति समर्पण और सेवाभाव के प्रति समर्पित निषाद वंश के गौरव श्री केवट जी की जयंती सुभाष वार्ड नरसिंहपुर में भगवान श्री राम जी सहित उनका पूजन कर मनाई गई । इस पूजन कार्यक्रम में सोहन रैकवार, अमर नोरिया, भवानी नोरिया, अमर सिंह नोरिया (राजीव वार्ड) , कैलाश रैकवार, संजय नोरिया,विनोद कोरी,मनोज नोरिया सहित अन्य लोग उपस्थित रहे ।

मानसी जैन का सुयश

नरसिंहपुर। चांवरा विद्यापीठ में अध्ययनरत कुमारी मानसी ने गणित संकाय में 12वीं सीबीएससी की परीक्षा में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त शाला में प्रथम स्थान प्राप्त किया है कुमारी मानसी जैन अशोक जैन खमरिया वालों की सुपुत्री है उनकी सफलता पर शुभचिंतनों ने बधाईयां दी है।

बेलखेड़ी के पास कार टेंकर से टकराई 5 हुए घायल

नरसिंहपुर। गत दिवस गोटेगांव थाना अंतर्गत बगासपुर निवासी परिवार लौकीपार गांव अपने नाना जी के यहां से फोरव्हीलर से अपने घर बगासपुर जा रहा था वही बेलखेड़ी के पास तेज रफ्तार कार टेंकर से टकरा गई और उसके अंदर सवार जितेन्द्र नागेदिया, सुमनलता नादौनिया, प्रखर नादौनिया,अशोक सरवैया,संयम सरवैया गम्भीर रूप से घायल हो गए वही स्थानीय लोगों ने 108 एम्बुलेंस को कॉल किया जिन्हे 108 एम्बुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल लाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद निजी अस्पताल में भर्ती किया गया हैं।

घर के छत पर सो रहे युवक नीचे गिरने से हुई मौत

नरसिंहपुर। गत दिवस ठेमी थाना अंतर्गत ग्राम सांकल निवासी महेंद्र पिता हर प्रसाद चैधरी उम्र 26 वर्ष अपने घर के छत पर सो रहा तभी रात्रि को वह नींद से उठा और होश न होने के कारण छत से नीचे गिर गया और उसकी मौत हो गई। वही परिजनों ने ठेमी थाना पुलिस को सूचना दी पुलिस ने मौके पर पहुँचकर पंचनामा कार्यवाही कर मर्ग प्रकरण कायम कर मृतक के शव को जिला अस्पताल लाया गया। जहां पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया। जिससे उसका अंतिम संस्कार किया जा सके।

हत्यारों को आजीवन कारावास

नरसिंहपुर। गत दिवस चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमति रश्मिना चतुर्वेदी के न्यायालय द्वारा सत्र प्रकरण क्रमांक 180-23 में अभियुक्तगण लखन आत्मज बाबूलाल धानक, निवासी ग्राम बूचाल, थाना पिपरिया, नर्मदापुरम एवं मुन्नालाल आत्मज हक्कू धानक निवासी मानेगाँव, थाना सुआतला नरसिंहपुर को धारा 302-34 भादंसं के आरोप में सश्रम आजीवन कारावास और 1000-1000- के अर्थदंड से दंडित करने का दंडादेश पारित किया। संक्षेप में अभियोजन की कहानी इस प्रकार है कि दोनों अभियुक्तगण ने दिनाँक 31-8-23 से दिनाँक 4-9-23 के मध्य सुआतला क्षेत्तांतर्गत ग्राम धरमपुरी में मुन्नालाल धानक की टपरिया के पास लाठियों से मारपीट कर नेतराम धानक की हत्या कर दी।अभियोजन की ओर से पैरवी करते हुए अपर लोक अभियोजक श्रीमति सरिता नामदेव ने न्यायालय के समक्ष 10 अभियोजन साक्षियों का परीक्षण करवाकर अपने तर्क एवं एफएसएल रिपोर्ट प्रस्तुत की।

शारदा सिंह का निधन

करेली। नगर के प्रतिष्ठित ठा.रंजीत सिंह, स्व. ठा. इंद्रजीत सिंह की बड़ी बहिन, ठा.हेमंत, अमित, सौरभ, समर्थ, आर्यन की बुआजी सुश्री शारदा सिंह का गुरुवार को आकस्मिक निधन हो गया है। पूज्य बुआजी की पार्थिव देह को दर्शनार्थ इमलिया बगीचा में रखने के बाद इनका अंतिम संस्कार ग्राम इमलिया के खेत में किया गया है।

जिम्मेदारों की अनदेखी से बढ रहा प्राइवेट एंबुलेंस चालकों का कारोबार

सरकारी एंबुलेंस बनी शोभा की सुपारी

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इन दोनों कुछ ना कुछ अनियमिताओं के मामलों को लेकर अखबार पत्रों की सुर्खियां बना हुआ है पूर्व में छापे गए समाचार पत्रों में बीएमओ डॉक्टर एस एस धुर्वे द्वारा किए जा रहे स्टाफ के ऊपर मनमाने तरीके से ड्युटिया लगाना और सीएचओ से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सेवाएं लेने का समाचार प्रकाशित हुआ था।

नरसिंहपुर ।

जबकि सीएचओ का ग्रामीण क्षेत्र होता है और जब उनकी ड्यूटी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लगा दी जाती है तो ग्रामीण क्षेत्र का कार्य प्रभावित होने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिल पाती इसी के चलते एक बार फिर नया मामला सामने आया है अस्पताल परिसर के अंदर खड़ी प्राइवेट एंबुलेंसौ का कब्जा बना हुआ है पक्के सूत्र यह बताते हैं कि यह सब बीएमओ की अनदेखी एवं लापरवाही व लचर व्यवस्थाओं के चलते सरकारी एंबुलेंस परिसर में खड़ी शोभा की सुपारी बनकर रह गई है साथ ही प्राइवेट एम्बुलेंसों के संचालकों द्वारा परिसर में एंबुलेंस खड़ी करते हैं और उनके चालकों द्वारा परिसर में अपराधिक गतिविधियों के साथ-साथ भर्ती मरीजों के साथ अभद्रता कर परिसर में शराब पीकर हंगामा करने की साथ-साथ उपस्थित इमरजेंसी में लगी डॉक्टरों की ड्यूटी एवं अन्य स्टाफ के साथ बदतमीजी किया करते है बताया गया है कि यह परिसर में खड़ी प्राइवेट एंबुलेंस के धंधे में कमीशन का खेल चल रहा है जिससे यहां पर मौजूदा स्टाफ डॉक्टर हो या फिर अन्य कर्मचारी भी बीएमओ एस एस धुर्वे के इस ढुलमुल रवैया एवं लचर व्यवस्थाओं के चलते आक्रोशित हैं लेकिन जिला प्रशासन द्वारा इन साहब के कारनामे रोजाना समाचार पत्रों में आने के साथ साथ इनकी की लापरवाहियों को अनदेखा कर किसी प्रकार की कोई कार्यवाही ना करना जिला प्रशासन पर प्रश्न चिन्ह खड़े कर रहा है साथ ही क्षेत्रीय जिम्मेदार जनप्रतिनिधि भी मौन है जिसके कारण बीएमओ डॉक्टर एस एस धुर्वे के हौसले बुलंद है

ग्राम न्यायालय की बैठक का होगा आयोजन

नरसिंहपुर।

उच्च न्यायालय जबलपुर के निर्देशानुसार ग्राम न्यायालय अधिनियम 2008 के अंतर्गत सुनवाई योग्य प्रकरणों की कार्यवाही एवं सुनवाई हेतु ग्राम न्यायालय नरसिंहपुर में मई एवं जुलाई माह को प्रस्तावित मासिक तिथियां अनुमोदन के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरसिंहपुर को भेजी गई हैं। इस सिलसिले में थाना स्टेशनगंज के अंतर्गत आने वाले ग्राम के लिए न्यायालय की बैठक थाना स्टेशनगंज कोतवाली के अंतर्गत आने वाले ग्राम 17 मई कोए थाना गोटेगांवए ठेमी एवं मुंगवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम हेतु ग्राम न्यायालय की बैठक थाना गोटेगांव ठेमी एवं मुंगवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम 24 मई को और थाना करेली के अंतर्गत आने वाले ग्राम हेतु ग्राम न्यायालय की बैठक थाना करेली के अंतर्गत आने वाले ग्राम 31 मई को होगी। इसी तरह थाना स्टेशनगंज के अंतर्गत आने वाले ग्राम हेतु ग्राम न्यायालय की बैठक थाना स्टेशनगंज के अंतर्गत आने वाले ग्राम 7 जून कोए थाना गोटेगांव ठेमी एवं मुंगवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम हेतु ग्राम न्यायालय की बैठक थाना गोटेगांवए ठेमी एवं मुंगवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम 14 जून कोए थाना करेली के अंतर्गत आने वाले ग्राम हेतु ग्राम न्यायालय की बैठक थाना करेली के अंतर्गत आने वाले ग्राम 21 जून को और थाना कोतवाली के अंतर्गत आने वाले ग्राम हेतु ग्राम न्यायालय की बैठक थाना कोतवाली के अंतर्गत आने वाले ग्राम 28 जून को होगी। थाना स्टेशनगंज के अंतर्गत आने वाले ग्राम हेतु ग्राम न्यायालय की बैठक थाना स्टेशनगंज के अंतर्गत आने वाले ग्राम 5 जुलाई कोए थाना गोटेगांवए ठेमी एवं मुंगवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम हेतु ग्राम न्यायालय की बैठक थाना गोटेगांवए ठेमी एवं मुंगवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम 12 जुलाई कोए थाना करेली के अंतर्गत आने वाले ग्राम हेतु ग्राम न्यायालय की बैठक थाना करेली के अंतर्गत आने वाले ग्राम 19 जुलाई को और थाना कोतवाली के अंतर्गत आने वाले ग्राम हेतु ग्राम न्यायालय की बैठक थाना कोतवाली के अंतर्गत आने वाले ग्राम 26 जुलाई को होगी। यह जानकारी न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय नरसिंहपुर राधाकृष्ण यादव ने दी है।

कामगार मजदूर तथा दी गई तकनीकी जानकारियां

नरसिंहपुर ।

गत दिवस करेली में गृह निर्माण कामगार संघ के सभी पद अधिकारियों को माईसेम सीमेंट कंपनी दमोह द्वारा एक विशेष तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया गया । हैंडेलबर्ग सीमेंट कंपनी 150 से अधिक वर्षो के सीमेंट उत्पादन के अनुभव के साथ विश्व के 60 से अधिक देशों में सीमेंट का उत्पादन सर्वोत्तम गुणवत्ता के साथ कर रही है जिनका उत्पाद माईसेम सीमेंट है और जो की विश्व में सीमेंट उत्पादन की दूसरी बड़ी कंपनी है । इस कार्यक्रम में जबलपुर रीजनल मैनेजर अरुण गुप्ता और सागर संभाग कस्टमर सर्विस इंचार्ज इंजीनियर सर्वेश श्रीवास्तव के द्वारा इस विशेष कार्यशाला में उपस्थित ठेकेदारों को जानकारी दी गई कि भवन निर्माण को मजबूत और टिकाऊ कैसे बनाया जा सकता है । हैंडेलबर्ग सीमेंट कंपनी का विशेष उद्देश्य है की दमोह के आसपास के सभी जिले के लोगो को जर्मन तकनीकी के द्वारा बनाया गया उच्चगुणवत्ता का सीमेंट ताजा उपलब्ध कराया जाये ताकि भविष्य में तापमान की वृद्धि को देखते हुए उनके द्वारा निर्मित कार्य में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े इस कार्यक्रम में नरसिंगपुर जिले के कंपनी के कस्टमर सर्विस इंजीनियर मुकेश भुसारे, सेल्स अधिकारी अर्पित असाटी, सागर चैकसे ,इंजीनियर अरुण पटेल , इंजीनियर दीपेश प्रजापति उपस्थित रहे ।

जिले की सीनियर महिला एवं पुरुष वर्ग व्हालीबॉल टीम गठित

नरसिंहपुर ।

मुरैना जिले के अम्बाह में आगामी 22 से 26 मई तक आयोजित होने वाली 69 वीं राज्य स्तरीय पुरूष एवं महिला व्हालीबॉल प्रतियोगिता 2024. 25 के लिए नरसिंहपुर जिले की महिला एवं पुरूष वर्ग की टीम की सहभागिता के लिए टीम का चयन गुरूवार को उत्कृष्ट विद्यालय के स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर में किया गया। इस चयन प्रक्रिया में नरसिंहपुरए गोटेगांवए करेलीए गाडरवाराए गुंदरई मुशरान पिपरिया के लगभग 50 खिलाड़ी सम्मिलित हुए। जिले की टीम के चयनित खिलाड़ियों की जानकारी देते हुए व्हालीबॉल जोनल सेक्रेट्री मनीष कटारे ने बताया कि पुरुष वर्ग में नीरज पटैल एवं शाकिर हुसैन द्वारा व्हालीबॉल हॉस्टल टीम में चयनित खिलाड़ियों में साहिल सोनीए वीर प्रताप सिंह हरिकृष्ण कुर्मी रोहित जाटवए आयुष सिंह राजपूत आनंद पांडे केशव कुर्मी शिखर सिंह अभिषेक मिश्रा दिलीप कुमार शाहए शुभम लिलहारे व विजय सेन का चयन किया गया। इसी तरह महिला वर्ग में अर्पित सक्सेना एवं रोहित विश्वकर्मा चयनकर्ता द्वारा चयनित व्हालीबॉल महिला टीम में मानसी कुशवाहाए वीनू ठाकुर वैष्णवी नेमा रिया मेहरा काजल जाटव निधि पटवा निहारिका गिरी आयुषी ठाकुरए अनुष्का यादवए इरहम कुरेशीए वैष्णवी पटेलए परी पटेल आदि का चयन किया गया। दोनों वर्गों में मुख्य चयनकर्ता योगेश शर्मा एवं आरबी उईके रहे। इस अवसर पर खिलाड़ी नागरिक ने उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु खिलाड़ियों एवं मध्यप्रदेश व्हालीबाल संघ के निर्णायक दल में शामिल होकर निर्णायक के दायित्वों का निर्वहन हेतु राज्य स्तरीय निर्णायक अभिनव चोकसे को शुभकामनाएं दी।

दो मोटर साइकिल आमने सामने की भिडंत में मां बेटा नातिन समेत चार की मौत

नरसिंहपुर।

जिले के सांईखेडा थाना अंतर्गत आनेवाले क्षेत्र झिकोली के बीच खेमरिया फार्म हाऊस के पास स्टेट हाईवे 44 पर सांईखेडा से झिकोली और झिकोली से सांईखेडा आ रही दो मोटर साइकिल सवार की आपस मे जोरदार भिड़ंत हो गई जिसमें एक मोटर साईकिल पर मां बेटा दो नातिन सहित चार लोग सवार थे जिनमें मुन्नी बाई पति मोती लाल नौरिया 50 बर्ष कृष्ण पाल पिता मोती लाल नौरिया 19 वर्ष और नातिन हेमलता पिता नंदूलाल नौरिया 10 वर्ष उसराय निवासी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई और राधिका पिता मानसिंह 12 वर्ष राजबाड़ा निवासी घायल बताया जा रहा है अन्य दूसरी मोटर साइकिल में सवार अर्जुन पिता कड़ोरी नौरिया 21 वर्ष निवासी पताई जिला रायसेन को नरसिंहपुर जिला अस्पताल रैपर कर गया लेकिन गंभीर रूप से घायल होने के चलते उसकी भी रास्ते में मौत हो गई। जिसका शव शवगृह रखवाया गया।वहीं परिजन बताया कि उसराय से मोती लाल के इलाज के लिए भोपाल जा रहे थे। पिताजी आगे दूसरी मोटर साइकिल से थे खबर मिलने पर घटना स्थल पर वापस लौटै। पुलिस ने मामला कायम कर छानबीन शुरू कर दी।

हीरापुर धाम में 35 वां श्री राजराजेश्वरी महायज्ञ एवं शतचंडी यज्ञ आज से

तेंदूखेड़ा। श्री श्री मां परम्बा राजराजेश्वरी, श्री श्री मां जगतानंदी नर्मदा के अनन्य साधक, तपोनिष्ठ संत प्रवर, परम पूज्य सदगुरुदेव, श्री स्वामी जी महाराज की पावन तपोस्थली, श्री राजराजेश्वरी मंदिर, श्री कैलाश कुटी आश्रम, नर्मदा उत्तर तट, हीरापुर, तहसील तेंदूखेड़ा जिला नरसिंहपुर में वैशाख शुक्ल नवमी आज 17 मई से वैशाख पूर्णिमा 23 मई 2024 तक 35वां श्री राजराजेश्वरी महायज्ञ एवं शतचंडी यज्ञ का विराट अनुष्ठान परम पूज्य सदगुरुदेव स्वामी जी महाराज हीरापुर वालों की प्रेरणा, आशीर्वाद एवं संयोजकत्व में आयोजित किया जा रहा है। धर्म अनुष्ठान में प्रतिदिन याज्ञिक विधि विधान के साथ-साथ श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन भी किया गया है। अनुष्ठान की संपन्नता 23 मई वैशाख पूर्णिमा को पूर्णाहुति से होगी एवं इसी दिन महाप्रसादी भंडारे का आयोजन भी रखा गया है। श्रद्धालुजन एवं शिष्य परिवार के सभी सदस्य अनुष्ठान में सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित कर सकते हैं।

लंबे समय से तैयार खड़े भवन मे सुविधाओं का टोटा

अभी तक नहीं हो सकी पानी की व्यवस्था

तेंदूखेड़ा- तहसील मुख्यालय तेंदूखेड़ा में लगभग 6.40 करोड की लागत से बनीं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के साथ साथ 7 आवासीय परिसर में बिजली पानी की व्यवस्था हुये बगैर ही विधानसभा चुनाव के पूर्व ही आचार संहिता लागू होने के पूर्व उसका आनन फानन वर्चुअल लोकार्पण हो गया था। लोकार्पण के बाद से संबंधित ठेकेदार भवन और आवासीय परिसर को हैंडओवर लेने के लिए संस्था प्रमुख पर दबाव बनाते चले आ रहे हैं। गुणवत्ता को ताक पर रखकर आनन फानन बनें इस भवन की स्थिति यह है कि बगैर तराई के ही यह भवन बन गया है जहां तहां से दरार मारने की स्थिति में नाकामी दबाने के लिए पुट्टी से इन दरारों के मुंह बंद कर दिये गये हैं जो अपनी गुणवत्ता की स्वयं कहानी वया ना कर सकें। वहीं नये भवन और आवासीय परिसर मे अभी तक पानी और बिजली की कोई व्यवस्था नहीं हो पाई है।

शुरू होनी है छः ट्रेंडे- ट्रायसेम योजना के तहत वर्ष 1998-99 में लगभग 28 लाख रुपए की लागत से बनीं मिनी आई टी आई में जगह की कमी पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध ना होने की स्थिति में प्रशिक्षण पाने वाले छात्रों की संख्या को ध्यान में रखते हुए यहां पर विगत वर्षों में लगभग छः करोड़ से अधिक की राशि में छः ट्रेडे प्रारंभ करने भवन बना है। जिसमें फिटर,बेल्डर,स्टेनो,कोपा, तथा इलेक्ट्रीशियन की तीनों इकाईयों को प्रारंभ किया जाना है। भविष्य में सोलर पैनल पर भी विचार किया जा सकता है। लेकिन भवन मे व्यवस्था ना होने के कारण आई टी आई जर्जर भवन मे ही लगती चली आ रही है।

आवासीय परिसरों में नहीं बनें रैंप- आई टी आई भवन के साथ साथ 7आवासीय क्वार्टर भी बनाये गये हैं।इन आई टाइप और एच टाइप क्वार्टरों में कर्मचारियों की सुविधा की दृष्टि से छोटे बाहन रखने की स्थिति में रैंप की व्यवस्था ना होने के साथ आवासीय परिसर में नलों के कनेक्शन तो कर दिये गये हैं लेकिन पानी कहां से आयेगा शोभा रुपी पानी की टंकियों में पानी कहां से भरायेगा यह अभी तक सुनिश्चित नहीं हुआ है। और ना ही चैनल गेट लगाये गये हैं।इन परिसरों में पीछे तरफ पेवर ब्लॉग भी नहीं लगाये गये हैं।केवल एक जगह लाकर रख दिए गए हैं।

नहीं है इंटरनेट की व्यवस्था- सबसे बड़ी विसंगति पूर्ण यहां पर यह बनी हुई है कि जब से यह संस्था प्रारंभ हुई है इसमें अभी तक इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध नहीं हो सकी है।कोपा का प्रशिक्षण पाने वाले छात्रों को इंटरनेट सुविधा होनी आवश्यक है लेकिन आज तक दूर संचार के अधिकारी केवल आश्वासन देकर अपनी जबाबदारियों से हाथ उठाते रहें हैं। नया भवन शुरू होने के साथ परीक्षा सेंटर बनना भी सुनिश्चित है लेकिन जब तक हाई स्पीड नहीं मिलेगी छात्र समय सीमा में प्रश्न पत्र हल करने की दृष्टि से हाईस्पीड

होना नितांत आवश्यक है।

अब पानी के लिये बना रहे वैकल्पिक व्यवस्था -गुणवत्ता को ताक पर रखकर काफी लंबे समय से तैयार खड़े इस भवन मे बिजली पानी जैसी व्यवस्थायें ना होने को लेकर समाचार पत्रों द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराये जाने को दृष्टिगत रखते हुये संबंधित ठेकेदार द्वारा यहां नगर परिषद की पेयजल सप्लाई से पानी लाकर आवासीय परिसरों और संस्था मे पानी मे भेजने के लिये वैकल्पिक व्यवस्था बनबाई तो जा रही है लेकिन यह कितनी कारगर सिद्ध होगी यह भविष्य के गर्त मे है। एक दिन छोड़ एक समय निश्चित समय के लिये पानी आना फिर कभी कभार बिजली की समस्या के चलते पेयजल आपूर्ति बाधित होना जैसी स्थिति के चलते प्रशिक्षण संस्था के अधिकारियों का निस्तार फिर सैंकड़ों छात्रों की पेयजल व्यवस्था कैंसे सुचारू रह पायेगी यह सोचनीय विषय है।

'इनका कहना है'

भवन मे पेयजल को लेकर वैकल्पिक व्यवस्था संबंधित ठेकेदार द्वारा कराई जा रही है। नगर परिषद की पेयजल आपूर्ति के माध्यम से यहां पानी लाकर स्टोर किया जायेगा। फिर उपर टंकियों मे चढ़ाया जायेगा। तब कहीं पानी की सप्लाई हो सकेगी। चूंकि भवन मे अभी कोई स्थाई पेयजल की व्यवस्था संबंधित ठेकेदार द्वारा नहीं कराई गई है। आवासीय परिसर में ना तो रैंप बनाये गये हैं,ना ही चैनल गेट लगाये गये हैं।पेवर ब्लॉग भी नहीं लगाये गये हैं। विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों को वस्तुस्थिति से अवगत करा दिया गया है एवं निर्माण एंजेसी पी आई यू को भी पत्राचार कर अवगत कराया गया है।

शैलेष कौल प्रबंधक
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था तेंदूखेड़ा